आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' | मूल्य » 5 | वर्ष » 13 | अंक » 156 | मुद्रण तारीख » 1 दिसम्बर 2024 | कुल पृष्ठ » 24

नारायण सेवा संस्थान व डीसीसीआई की चौथी राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप का समापन

विजेता टीम को पांच लाख, स्टार प्लेयर को मिली कार

सुकून भरी सर्दी
1 लाख स्वेटर, कम्बल वितरण का लक्ष्य
गरीब जो ठंड में ठिठुर रहे
उन्हें इंसानियत की गर्मी दें।
हर वर्ष की भाँति संस्थान गरीब-अनाथ-बेघर-बेसहारा जनों को बांट रहा है
स्वेटर, कम्बल और ऊनी कपड़े। कृपया मुहिम में सहयोगी बनें
सम्पर्क करें
+91 294 662 2222
+91 7023509999
सहयोग प्रार्थना
₹5000
सहयोग करें
PhonePe
Paytm
narayanseva@sbi
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 156 मुद्रण तारीख » 1 दिसम्बर 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

स्वाध्याय, सत्संग और सेवा

– सेवक प्रशांत भैया

दुनिया में जितने भी ग्रंथ या पंथ है। वह सभी मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए तीन बातों पर विशेष बल देते हैं। हृदय में राम, मन में दया तथा तन से सेवा में तल्लीनता।

परमात्मा ने मनुष्य को विवेकशील और कुछ खास गुणों के साथ संसार में भेजा है। जरूरत केवल इस बात की है कि हम उन विशेषताओं को पहचानें और विकसित करने की कोशिश करें। अपनी विशेषताओं पर ध्यान देने का अर्थ यह कदापि नहीं है कि दूसरों के व्यक्तित्व में कमियां निकाली जाएं अथवा दूसरों से अपनी तुलना की जाए। इसका अर्थ मात्र अपने जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना और उसे उसी अनुरूप विकसित करना है । इसके लिए नियमित स्वाध्याय, सत्संग, पीड़ितों की सेवा और महापुरूषों- ऋषियों से सुनी गई अथवा पढ़ी गई बातों पर चिंतन-मनन करना सर्वश्रेष्ठ माध्यम है । सुख बांटना और दुखों को बंटाना जीवन की खुशियों को बांटने का मूल मंत्र है। सुख बांटने में ही हमारी खुशी छुपी है और यदि हम उसे छिपाकर रखते हैं तो यह कभी विकसित नहीं हो पाती। दूसरों के दुखों को बंटाने से एक तो उसका दुख कम होता है और दूसरा इससे हमें वह आंतरिक संतुष्टि मिलेगी जिसकी सुगंध वायु में फैल कर समूचे वातावरण को भी महका देती है। खुशी तो देने की चीज है, जिसे जितना बांटे वह उतनी ही बढ़ती है। महात्मा गांधी कहते थे कि- पीड़ितों के हृदय में ईश्वर विराजमान है । मैं उनकी सेवा ईश्वर की पूजा मानते हुए करता हूं। महात्मा गांधी ने कुष्ठ रोगियों की जिस समर्पण भाव से सेवा की वह हर कोई जानता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की भी यही धारणा थी कि गरीबों की सेवा ही प्रभु की सच्ची पूजा है। देश काल और पात्र के अनुसार जो सेवा की जाए वही महत्वपूर्ण है सेवा हृदय व आत्मा को पवित्र करती है। दुनिया में जितने भी ग्रंथ या पंथ हैं। वह सभी मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए तीन बातों पर विशेष बल देते हैं। हृदय में राम, मन में दया तथा तन से सेवा में तल्लीनता। गौतम बुद्ध तो प्रायः अपने प्रवचनों में यही कहते थे कि जिसे मेरी सेवा करनी है वह पीड़ितों की सेवा करें। आत्मीय भाव से की गई सेवा उन कर्मों के कुप्रभाव समाप्त करती है, जो व्यक्ति अनायास अथवा परिस्थितियों के अधीन कर बैठता है। पुण्यार्जन का श्रेष्ठ मार्ग ही दुखी, पीड़ित प्राणियों की सेवा है।

दान के पुण्य की महिमा

जिस भावना के साथ दान दिया जाता है, उससे भी बढ़कर उसका प्रतिफल प्राप्त होता है। यही वजह है कि शास्त्रों ने व्यक्ति को सामर्थ्यानुसार दान कर आध्यात्मिक शांति के साथ जीवन जीने की सलाह दी है।

गर्मी के दिन थे,धूप बहुत तेज थी, पृथ्वी जलते चूल्हे पर रखे तवे के समान थी। 'तिलक मंजरी' महाकाव्य के रचयिता एवं महाराज भोज के राजकवि श्री धनपाल किसी निजी आवश्यक कार्य को पूर्ण कर घर की ओर लौट रहे थे। घर अभी दूर था। उसी मार्ग पर उन्होंने एक दुर्बल मनुष्य को नंगे पैर लड़खड़ाते हुए जाते देखा। वह बार-बार लंबी सांस लेता, कभी दौड़ने लगता, तो दूसरे ही पल अपनी दुर्बलता के कारण रूक जाता। कवि के सुकुमार ह्रदय से उसकी यह हालत देखी नहीं गई, आज वे भी पैदल ही थे। अपने निजी कार्य के लिए वह राज्य के साधन यथा पालकी,अश्व,हाथी आदि का उपयोग नहीं करते थे। वे उस पुरूष के पास गए तो देखा कि उसके पांव में छाले पड़ गए हैं, और लंबी यात्रा में उसे खाने को भी कुछ नहीं मिल पाया है। राजकवि ने तुरंत अपने जूते उतार कर उसे पहिनाए और खाने को भी अपनी झोली में रखा सत्तू दिया। राज कवि को भी नंगे पैर चलने की आदत तो थी नहीं। नाजुक पांव और तपती जमीन- उन्हें लगा कि वह मार्ग में मूर्छित होकर गिर पड़ेंगे। उनके पांव में छाले भी पड़ गए थे, परंतु प्रसन्न थे, कि उनके हाथों किसी दीन-दुखी की सेवा तो हो सकी। पांव जल रहे थे, फिर भी वे बढ़े जा रहे थे। इसी समय राज्य के हाथी को लेकर महावत सामने से इस मार्ग पर गुजर रहा था। उसकी नजर राजकवि पर पड़ी तो बहुत वह तुरंत हाथी को उनकी तरफ ले गया,उसने उन्हें हाथी की पीठ पर बैठने का जब बहुत आग्रह किया तो वे बैठ गए।

संयोगवंश राजा भोज भी उसी भरी दुपहरी में अपने हाथी पर सवार होकर नगर व्यवस्था का जायजा लेने को निकले थे। मार्ग में दोनों की भेंट हो गई। नरेश ने हंसी में ही पूछा- कवि महाशय यह हाथी आपको कहां से उपलब्ध हो गया ? कवि ने कहा राजन मैंने अपने फटे हुए जूते दान कर दिए उसी का पुण्य है कि हाथी पर सवार हूं। राजा उनके कथन का तात्पर्य समझ गया कि कवि यह स्पष्ट कर रहा है कि जिस द्रव्य का दान नहीं हो वह व्यर्थ होकर नष्ट होने के समान ही है। उदार राजा ने तत्काल वह हाथी कवि को भेंट दे दिया और राज्य के जनहित के कार्यों की गति को और बढ़ा दिया।

–पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

अंधकार में प्रकाश-पुंज

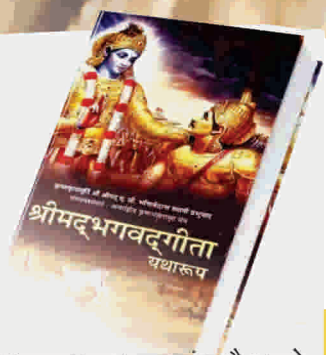

श्रीमद्भागवत गीता भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का प्राण ग्रंथ है। इसे जितनी बार पढ़ते हैं, उतना ही बार नया बोध होता है। गीता जयंती (11 दिसंबर) पर प्रस्तुत एक विशेष आलेख।

प्रत्यक्ष अनुभव से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि श्रीमद्भागवत गीता वर्तमान युग में भी उतनी ही नवीनता से पूर्ण एवं स्फूर्ति देने वाली है, जितनी महाभारत काल में थी। गीता के संदेश का प्रभाव केवल दार्शनिक अथवा विद्वत् चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि आचार- विचारों के क्षेत्र में भी वह सदैव जीता-जागता प्रतीत होता है। गीता का उपदेश एक राष्ट्र तथा संस्कृति का पुनरूज्जीवन करता रहा है। संसार के अत्यंत उच्च शास्त्रविषयक ग्रंथों में गीता का बिना किसी विरोध समावेश हुआ है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा रचित गीता रहस्य का विषय, जो गीता-ग्रंथ है, वह भारतीय आध्यात्मिकता का परिपक्व सुमधुर फल है। मानवी श्रम, जीवन और कर्म की महिमा का उपदेश अपनी अधिकार वाणी से देकर गीता सच्चे अध्यात्म का सनातन संदेश दे रही है, जो आधुनिक काल के ध्येयवाद के लिए आवश्यक है।

गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिशा बोध देते हुए कहा है- यद्यपि मुझे तीनों लोकों में कुछ भी अप्राप्त नहीं है, तो भी मैं कर्मों में ही बरतता हूं। उनके द्वारा बताया गया कर्तव्य रूप कितना सार्थक है- यदि ह्यं न वर्तेयं जातु कर्मण्यतन्द्रितः। मम वर्मानुवर्तन्ते मुनष्याः पार्थ सर्वशः।। गीता सभी प्राणियों को अपनी आभा से प्रकाशित कर सन्मार्ग दिखा रही है। भगवान ने कहा है, 'नान्तोऽस्तिमम दिव्यानां विभूतीनांपरंतप' अर्थात हे परंतप ! मेरी दिव्य विभूतियों का अन्त नहीं है।

गीता उपनिषदों की भी उपनिषद है। यही कारण है कि गीता में मानव को अपनी समस्त समस्याओं का समाधान मिल जाता है। गीता के स्वाध्याय से श्रेय और प्रेय दोनों की प्राप्ति हो जाती है। भगवान् श्रीकृष्ण ने यह स्पष्ट कहा है, 'यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्भुवा नीतिर्मतिर्मम:।। अर्थात् जहां श्री योगेश्वर श्रीकृष्ण हैं, जहां धनुर्धर अर्जुन हैं और जहां अर्जुन और श्रीकृष्ण हैं, वहां श्री, विजय और विभूति हैं। भगवान का वचन है कि इस गीताशास्त्र को जो कोई पढ़ेगा अर्थात् इसका पाठ करेगा, इसका विस्तार करेगा, उसके द्वारा मैं निस्संदेह ज्ञानयज्ञ से पूजित होऊंगा। 'नाशयाम्यात्मभावस्था ज्ञानदीपेन भास्वता' अर्थात् मैं स्वयं ही उनके अज्ञान जनित अंधकार को प्रकाशमय तत्व, ज्ञानरूप दीपक के द्वारा नष्ट कर देता हूं। कहना न होगा, गीता एक प्रकाश-पुंज है।

सपना पूरा करेगा देव

देव बागड़ी 9 साल का है। इंदौर (म.प्र) में रहने वाले इस बच्चे का सपना था - स्कूल जाने, ऊंची शिक्षा लेने, खेलने, दोस्तों के साथ मस्ती करने का। लेकिन एक दुर्घटना ने पलभर में उसके सपने को बिखेर कर रख दिया। देव आज से ढ़ाई साल पहले मामा-मामी और दीदी के साथ जा रहा था। तभी सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। ट्रक की टक्कर से मामी जी की मौके पर ही मौत हो गई। मामाजी का पैर टूट गया और दीदी गंभीर रूप से घायल हो गई। देव का बांया पैर कट गया। जिससे उसका चलना फिरना दुश्वार हो गया था। संस्थान के इन्दौर शिविर में 2 जून को निःशुल्क नारायण कृत्रिम पैर लगाने के लिए माप लिया गया। तीन माह बाद इसे 15 सितम्बर को नारायण लिंब मिल भी गया। जिसकी सहायता से अब वो आसानी से चल फिर लेता है। स्कूल जाता है और अपने सपनों को पूरा करने की ओर पूरा ध्यान देपा रहा है। उसका कहना है कि वह डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता है।

दिव्यांगों की कृत्रिम अंग लगने के बाद परेड

बैडमिंटन व फुटबॉल में भी दिखाया दम

लुधियाना में 10 नवम्बर को फिरोजपुर रोड स्थित सरताज पैलेस में संस्थान का कृत्रिम अंग फिटमेंट कैंप सम्पन्न हुआ। इसमें पंजाब के 467 से भी अधिक दिव्यांगों को अपर-लोअर कृत्रिम अंग और कैलिपर्स लगाए गए। दिव्यांगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा कृत्रिम उपकरणों के उपयोग व रखरखाव की ट्रेनिंग भी दी गई। कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की और फुटबाल व बैडमिंटन भी खेला। जेआरएस ईस्टमैन ग्रुप ने सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत इस कैंप के आयोजन में योगदान दिया। समारोह में पंजाब रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव श्री शिवदुलार ढिल्लों ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि 21 जुलाई को लुधियाना में

लगे कैंप में 500 से अधिक रोगी आये थे, जिनमें से 467 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग फिटमेंट के लिए चुना गया था। परिणास्वरूप आज उन दिव्यांगों की रूकी जिंदगी को रफ्तार मिल गई। संस्थान के ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेंद्र चौबीसा ने बताया कि शिविर में 263 लोअर, 46 अपर, 20 मल्टीपल कृत्रिम अंग और 138 कैलिपर्स लगाए गए।

कैंप में संस्थान के 80 साधकों की टीम ने सेवाएं दी। इस मौके जेआरएस समूह के मालिक श्री जगदीश जी सिंघल, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्षा राशि जी अग्रवाल, उद्योगपति व समाजसेवी श्री अनिल जी गुप्ता, श्रीपाल जी जैन, कैथल से डॉ. विवके जी गर्ग, डॉ. विकास जी मक्कड़, समाज सेवी श्री हरपाल सिंह जी, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री मोहर सिंह जी भी मौजूद थे। संचालन श्री महिम जैन ने किया।

आगरा में 415 दिव्यांगों को लगेंगे कृत्रिम अंग

120 की होगी निःशुल्क सर्जरी

आगरा के गुरूद्वारा, सिकंदरा में 17 नवम्बर को निःशुल्क ऑपरेशन, जांच-चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप शिविर आयोजित हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक बालाजी धाम के महंत श्री अरविंद जी महाराज ने किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री नरेंद्रपाल सिंह, श्रीमती आशा सिंह व श्री सुरेश अग्रवाल थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि संस्थान का दिव्यांगता सर्जरी, नारी सशक्तिकरण और मानवता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान है। इससे निरोगी व सशक्त समाज की संकल्पना पूरी होगी। शिविर की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल जी के प्रतिनिधि डॉ पार्थ बघेल जी ने की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त

बनाकर ही समाज की मुख्यधारा में लाया जा सकता है। इस उद्देश्य को नारायण सेवा संस्थान मूर्त रूप दे रहा है।

संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ की गौरवशाली परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि इस शिविर में मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, ताशगंज, अलीगढ़,हाथरस और राजस्थान के धौलपुर व भरतपुर जिले के दिव्यांग लाभान्वित हुए। शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेंद्र चौबीसा ने बताया कि शिविर में 730 से अधिक दिव्यांग आए। संस्थान की डॉक्टर व पीएंडओ टीम ने 209 दिव्यांगों का नारायण लिंब (हाथ-पैर) और 205 का केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया। करीब 120 दिव्यांगों का चयन निःशुल्क ऑपरेशन हेतु भी किया गया। जिनकी संस्थान के उदयपुर स्थित हॉस्पिटल में सर्जरी होगी। करीब 2 से 3 माह बाद पुनः आगरा में शिविर लगाकर कृत्रिम अंग लगाए जाएंगे। शिविर की व्यवस्था में नगर निगम, संवेदना टीम, रॉबिन हूड आर्मी, श्रीकृष्ण जनकल्याण, एक पहल एवं विश्व शांति मानव समिति के सदस्यों ने सहयोग किया। संचालन महिम जैन और आभार ज्ञापन हरि प्रसाद लड्ढा ने किया।

राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप का समापन

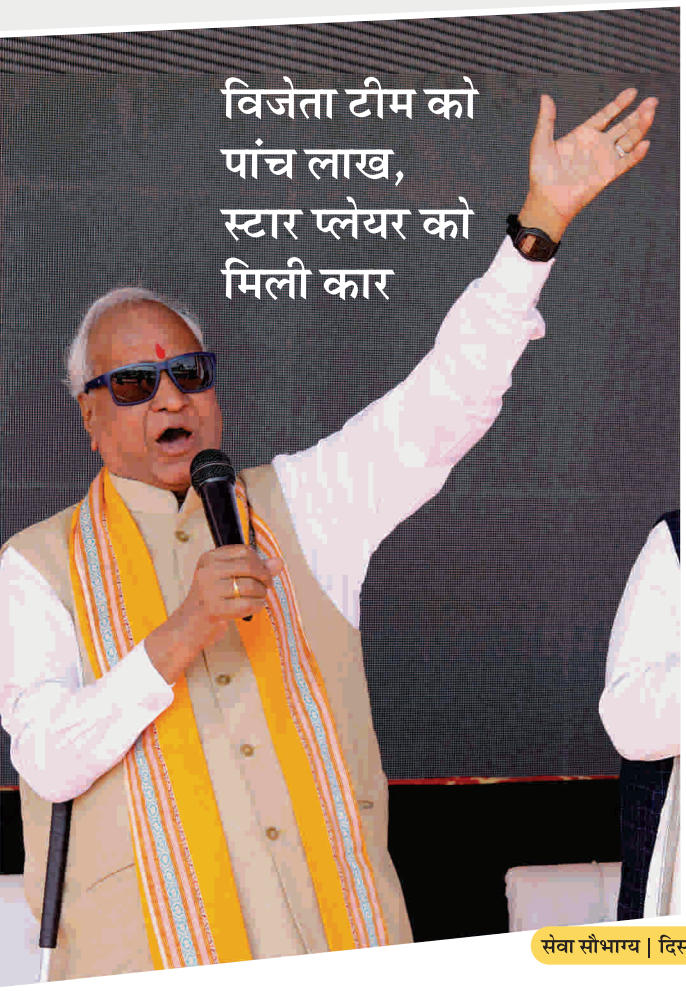

विजेता टीम को पांच लाख, स्टार प्लेयर को मिली कार

हमने अपना कोई अंग हादसे में खोया है लेकिन जिंदगी से लड़ने का जोश और जुनून कायम है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने का पूरा प्रयास करेंगे। इस जज्बे के साथ 15 अक्टूबर को उदयपुर फील्ड क्लब मैदान पर शुरू हुई चौथी नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी T-20 क्रिकेट चैम्पियनशिप का 25 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण के साथ बीएन कॉलेज मैदान पर समापन हुआ। ग्यारह दिवसीय चैम्पियनशिप का आयोजन नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के सहयोग से हुआ। यह पहला मौका था जब टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को चमचमाती कार मिली।

उद्घाटन समारोह :- मुख्य अतिथि सांसद डॉ. मन्नालाल रावत व पेरिस पैरालंपिक -2024 की निशानेबाजी में कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को देश के विभिन्न राज्यों की 24 टीमों के 400 से अधिक खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों ने ध्वजा-रोहण के दौरान मार्च पास्ट कर सलामी दी। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' के पावन सानिध्य में आयोजित इस

दिव्यांग क्रिकेट महाकुंभ के विशिष्ट अतिथि पीसीसीआई के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र लोहिया, डीसीसीआई की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योत्सना चौधरी, ऑफिसर कॉर्पोरेट चेयरमैन डीसीसीआई श्री राजेश भारद्वाज, बीसीसीआई मैनेजर श्री एल्विन गायकवाड़, डीसीसीआई हैदराबाद अध्यक्ष श्री सुरेंद्र अग्रवाल एवं नारायण सेवा संस्थान की निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों, खिलाड़ियों, डीसीआई अधिकारियों व टीम प्रबंधकों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान वर्ष 2017 से ही राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांग खिलाड़ियों के खेल महाकुंभ आयोजित कर उनके सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान दो नेशनल पैरा स्वीमिंग, एक नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट, एक नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप और थर्ड नेशनल डिसएबल्ड क्रिकेट चैम्पियनशिप का पूर्व में सफलता पूर्वक आयोजन कर चुका है। व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप का आयोजन तो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज भी हुआ है।

डीसीसीआई की ओर से स्वागत करते हुए सचिव श्री

रविकांत चौहान ने बताया कि चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैं। ज्यादातर खिलाड़ी एक हाथ या एक पैर अथवा जन्मजात शारीरिक दिव्यांगता से ग्रस्त हैं।

इस चैम्पियनशिप में इंडिया पैरा क्रिकेट टीम के कप्तान विकांत कैनी, मुम्बई के रविंद्र सन्ते, विदर्भ के गुरूदास राउत, बंगाल के तुषार रॉय, गुजरात के असित जायसवाल, जम्मू -कश्मीर के वसीम इकबाल और अमीर खान भी भाग लिया। जो पैरा वर्ल्ड कप टूर्नामैंट का भी हिस्सा रहे हैं।

समापन :- राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप का बी एन कॉलेज मैदान पर फाइनल मैच में मुंबई टीम के ट्रॉफी पर कब्जे के साथ 25 अक्टूबर को संस्थान संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव' के आशीर्वचन के साथ समापन हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया थे। खाटू श्याम मंदिर प्रबंध कमेटी के चेयरमैन एवं डीसीसीआई के संरक्षक महाराज श्री प्रताप सिंह ने अध्यक्षता की।

आरंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने संस्थान की ओर से अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल के प्रति दिव्यांगजन का यह समर्पण स्तुति योग है। संस्थान का सौभाग्य है कि दिव्यांग क्रिकेट के इस महाकुंभ का वह सहभागी बन सका।

डीसीसीआई के सचिव श्री रविकांत चौहान जी ने टूर्नामेंट का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीसीसीआई की राजस्थान अध्यक्ष श्रीमती ज्योत्सना चौधरी जी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी श्री महावीर सैनी जी, राजस्थान रॉयल्स के हेड स्टाफ श्री अभिजीत जी, राजस्थान रणजी टीम के पूर्व कप्तान श्री रोहित झालानी जी, डीसीसीआई के संयुक्त सचिव श्री अभय प्रताप सिंह जी, डीसीसीआई कॉरपोरेट अफेयर कमेटी के चेयरमैन श्री राजेश भारद्वाज जी, चतुर्भुज फाउंडेशन के श्री राहुल पटेल जी एवं स्वयं फाउंडेशन के प्रतिनिधि श्री भूपेंद्र कुमार जी मौजूद थे। संचालन

श्री महिम जैन जी ने किया

पुरस्कार :- अतिथियों द्वारा 24 टीमों के खिलाड़ियों व सैकड़ों दर्शकों की उपस्थिति में फाइनल मैच के हीरो मैन ऑफ द मैच मुंबई के रविंद्र संते को 11000, टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर राजस्थान के सतीश किराड़ को 25000, महाराष्ट्र से बेस्ट फिल्डर कुणाल फनंसे को 25000, कर्नाटक से बेस्ट बैट्समैन शिवाशंकरा को 25000 का पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार स्मीनू जिन्दल की स्वयं संस्थान की ओर से दिया गया। वहीं प्लेयर ऑफ सीरीज मुंबई के आकाश पाटिल जी को स्कूटी तथा स्टार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे राजस्थान के सुरेंद्र खोरवाल जी को चमचमाती कार की चाबी सौंपी गई। यह उपहार श्री चतुर्भुज फाउंडेशन द्वारा दिया गया। सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली मेजबान राजस्थान और महाराष्ट्र की टीम को 1-1 लाख रूपए पुरस्कार स्वरूप दिए गए। महामुकाबले की विजेता मुम्बई को 5 लाख रूपए और उपविजेता कर्नाटक को 2.50 लाख रूपए प्रदान किए गए।

मुंबई के सिर जीत का सेहरा :- फाइनल मुकाबले में कर्नाटक ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। नरेंद्र मंगोरे के शानदार 68 रन की मदद से 6 विकेट पर कर्नाटक ने 175 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने रविंद्र संते के 70 रन और प्रसाद चौहान के 57 रन के योगदान से 18.1 ओवर में 2 विकेट पर 178 रन बनाकर 8 विकेट से ट्रॉफी पर कब्ज

हाथ गंवाया हौसला नहीं

एक हाथ के शतकवीर प्रमोद

मेरठ के प्रमोद ने सात साल की कम उम्र में एक हादसे में अपना बायां हाथ खोने के बाद भी हौसला नहीं गंवाया। एक हाथ से ही शानदार बल्लेबाजी करते हैं। मूल रूप से परीक्षितगढ़ के इकला खानपुर के रहने वाले प्रमोद के पिता ओमप्रकाश जी ने मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण किया। चार बहन-भाईयों में प्रमोद सबसे छोटे है। सात साल की उम्र में टयूबवैल की खुदाई के दौरान हादसे में इन्होंने अपना बायां हाथ गंवा दिया था।

बचपन में ही गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेलते इनके मन में क्रिकेट के प्रति गहरा लगाव हो गया और इस खेल में देश के लिए कुछ करने की ठानी। जिसके बाद मेरठ के मैदान पर क्रिकेट अभ्यास शुरू किया। एक हाथ से इनकी शानदार कवर ड्राइव और स्टेट ड्राइव देखते ही बनती है। बल्ला पकड़ने का इनका अनूठा अंदाज ही एक अच्छे बल्लेबाज के रूप में इनका परिचय देता है।

प्रमोद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को अपना आईडल मानते हैं। प्रमोद को उनके परिवार के लोग पूरा सहयोग करते हैं। हाल ही में नारायण सेवा संस्थान में सम्पन्न चौथी राष्ट्रीय टी -20 दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता में इन्होंने शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश करते हुए मात्र 72 गेंद पर 14 चौकों की मदद से शतक बनाया जिसकी बदोलत दिल्ली 183 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर सकी।

NARAYAN SEVA SANSTHAN

Nar Seva Narayan Seva

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह– 2024

दिंनाक : 22 दिसम्बर, 2024, रविवार समय: शाम 6.30 बजे से

स्थान – सेवा महातीर्थ, लियों का गुड़ा, बड़ी, उदयपुर (राज.)

पू. कैलाश जी 'मानव'

संस्थापक चेयरमैन,नारायण सेवा संस्थान

'सेवक' प्रशान्त भैया

अध्यक्ष, नारायण सेवा संस्थान

दुर्घटना में
अंग विहिन हो चुके
15 हजार दिव्यांगों को
कृत्रिम अंगों का उपहार
देकर अपने पैरों पर चलाने
का **लक्ष्य**

आईआईएम छात्रों ने ली सेवा की प्रेरणा

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट उदयपुर के छात्रों ने 9 नवम्बर को नारायण सेवा संस्थान में देशव्यापी निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी ली एवं निःशुल्क सर्जरी व कृत्रिम अंग के लिए आए दिव्यांग, उनके परिजनों से मुलाकात की। छात्रों ने यहां की सेवाओं को देखकर कहा कि वे अपने करियर के दौरान यहां से लेकर जा रहे सेवा सूत्र को अप्लाई करेंगे। सेवामहातीर्थ में छात्रों के समूह का स्वागत प्राचार्य अर्चना गोवलकर, राकेश शर्मा व अनिल आचार्य ने किया। जितेंद्र वर्मा ने उन्हें संस्थान परिसर का भ्रमण करवाया व सेवाओं की जानकारी दी। छात्रों ने द्वारा संचालित नारायण चिल्ड्रन अकादमी, आर्टिफिशियल लिंब निर्माण कार्यशाला, मोबाइल, सिलाई व कंप्यूटर प्रशिक्षण और फिजियोथेरेपी केंद्र का अवलोकन किया। इसके बाद वे संस्थान से शल्य चिकित्सा और नारायण लिंब से लाभान्वित मरीज और परिजनों से मिले। दिव्यांगजनों ने अपने अनुभव छात्रों से साझा किए। दिव्यांगों की सेवाओं में जुटे साधक-साधिकाओं से ग्रुप ने व्यवस्था और सेवाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे लिए यादगार हो गया। यहां से हम दुःखी या जरूरतमंद लोगों की मदद करने की प्रेरणा लेकर जा रहे हैं।

दीन-दुःखियों की सेवा में ही खुशी

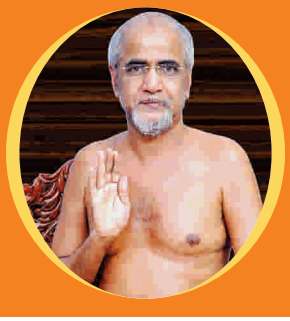

दुःख से कोई बच नहीं सकता फर्क सिर्फ इतना है कि कोई दुःख से निपट लेता है तो किसी को दुःख निपटा देता है। दुःख में घबराना नहीं और सुख में इतराना नहीं चाहिए। दुःख में सुख खोजने की चेष्टा करनी चाहिए। किसी दुःखी को देखकर श्री कैलाश जी 'मानव' की तरह जिसकी आंख में आंसू आ जाए, वह धर्मात्मा एवं तत्वज्ञानी है। हम देश पर तो गर्व करते ही हैं लेकिन कल देश जिस पर गर्व करेगा उनमें एक नाम नारायण सेवा संस्थान का भी होगा। देश में गरीबों के कई बच्चे जन्मजात विकलांगता/पोलियो के शिकार हैं, जिनकी निःशुल्क चिकित्सा कर यह संस्थान बहुत बड़ी सेवा कर रहा है। व्यक्ति अपने परिवार से तो प्रेम करे ही है लेकिन दीन-दुःखियों और जरूरतमंदों के प्रति भी अपने मानवीय कर्तव्य का निर्वाह अवश्य करे।

विश्व संत मुनि श्री तरुण सागर जी
26 नवंबर 2012

झीनी झीनी रोशनी 66

अब कभी वे बिलासपुर के सत्तू वितरण शिविरों में नहीं जा पाते तो रामायण मंडल में चले जाते हैं। सिरोही अस्पताल में रोगियों की सेवा करने में जो आनन्द आता था उसकी क्षतिपूर्ति वे उदयपुर के अस्पताल में जाकर करने लगे। उन दिन डॉ. आर.के. अग्रवाल का स्थानान्तरण उदयपुर हो गया था तथा अपने सेवाभाव के कारण बहुत कम समय में ही उन्होंने अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित कर ली थी। कैलाश जी का उनसे भीलवाड़ा से ही परिचय था। टेलीफोन ऑफिस में दोपहर एक से दो के बीच लंच की छुट्टी होती थी। कैलाश जी इस समय का उपयोग अस्पताल जाकर रोगियों की सेवा में करने लगे। झोले में फल, बिस्कुट, किताबें लेकर वे अस्पताल पहुँच जाते। डॉ. अग्रवाल ने वहां उन्हें एक लॉकर आवंटित करवा दिया जिसमें वह अपना झोला व अन्य सामान रखने लगे। डॉ. अग्रवाल का सर्जरी वार्ड था, वे उसी में ज्यादा जाने लगे। इसी तरह ओर्थोपेडिक वार्ड की तरफ भी उनका ध्यान बढ़ने लगा।

कैलाश जी को यूं बिना रोक टोक अस्पताल में आते-जाते देख कई लोगों के माथे भी ठनकते। ऐसे ही एक कर्मचारी को कैलाश जी का इस तरह आना जाना बिल्कुल पसन्द नहीं आता था, वह हरदम इन्हें टोकता रहता था, कहता था चले आते हैं अपना सिर उठाकर जैसे अस्पताल इनकी जागीर हो। कैलाश जी उन्हें समझाने की बहुत कोशिश करते मगर उसकी टोका-टोकी जारी रहती।

एक बार प्रसिद्ध स्वतंत्रता सैनानी, संविधान सभा के सदस्य तथा पूर्व सांसद रहे मास्टर बलवन्त सिंह मेहता किसी से मिलने अस्पताल आये। उन्होंने कैलाश जी को मरीजों की सेवा करते देखा तो बहुत प्रभावित हुए। कैलाश जी का उनसे परिचय नहीं था मगर उनका नाम जरूर सुन रखा था। उन्होंने कैलाश जी को अपने घर बुलाया और उनके बारे में पूछने लगे। कैलाश जी को जब पता चला कि मास्टर बलवन्त सिंह यही हैं तो उनकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा, वे तुरन्त उनके चरणों में नतमस्तक हो गए। थोड़ी देर इधर-उधर की बातें चलती रही तो कैलाश जी ने बताया कि वे रामायण मण्डल के कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं, इस पर मेहता ने कहा कि उनके घर पर भी प्रत्येक शनिवार को सत्संग होता है, चाहो तो वहां भी आ सकते हो।

कैलाश जी तो ऐसे अवसरों की तलाश में ही रहते थे। एक शनिवार को वे बलवन्त सिंह मेहता के घर आयोजित सत्संग में भी पहुँच गए। वहां जब उनकी भेंट डॉ. दौलत सिंह कोठारी, जस्टिस राणावत और कर्नल बख्तावर सिंह जैसे मेवाड़ का नाम पूरे देश में रोशन करने वाली हस्तियों से हुई तो वे धन्य हो गए। इन सबके बारे में बहुत पढ़ सुन रखा था, जब इनके साक्षात दर्शन हुए तो वे उनके चरणों में गिर पड़े।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़,
बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर
भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता
मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग
बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी
बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई
कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी,
टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी
कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज,
प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
फ्लेट नम्बर 202,गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम
बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास,
बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड,
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोडिया रोड,
वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुवन भयं पथ,
सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख
सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान,
कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान न. 8/153, ई-3,
न्यू लॉयर कॉलोनी,
पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक
सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला
मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

प्राकृतिक चिकित्सा

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

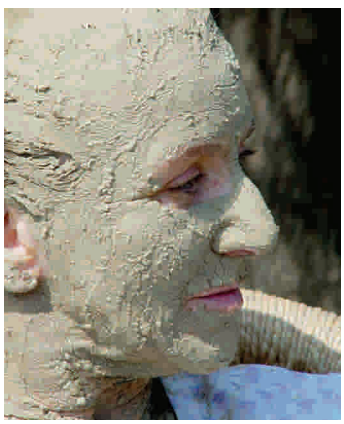

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी। आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

सम्पर्क करें +91 294 662 2222 +91 7023509999

Donate via UPI

Google Pay
PhonePe
Paytm

narayanseva@sbi

लाचार के सपनों को करें
साकार

1 कृत्रिम अंग सहयोग
₹ 10,000

इनके जैसे हजारों दिव्यांगों को...
आपश्री का है इंतजार...

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-